

तू मंदिर में बंद और मैं घर में बंद | Bijender Chauhan

तू मंदिर में बंद और मैं घर में बंद
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद

किसी से ना सुना हमने नहीं किसी और ने देखा
अचानक दहल गया सब कुछ खींची है नई लक्ष्मण रेखा
कैसे जीतेगे कान्हा जीवन का ये द्वन्द
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद

समझ में कुछ नहीं आता अक्ल भी काम ना करती
कि कल क्या होगा ना जाने सोच के रूह भी डरती
काम धंधो कि रफ्तार हो गई अब तो मंद
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद

धीरज छूट रहा अब तो प्रभु आके सम्भालो ना
करो कृपा हे सांवरिया हमें दुःख से निकालो ना
जन्मो पुराना है मोहित अपना ये सम्बन्ध
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%ae/>